वास्ते जवाब प्रार्थना पत्र हेतु पेश हो

24/5/25

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता मय वादीगण/प्रार्थीगण उप० होकर मूल वाद/दावा विड्रो प्रा० पत्र पेश किया जिस पर पत्रावली का अवलोकन व मनन किये के पश्चात प्रार्थी/वादी का मूल वाद विड्रो प्रा० पत्र के आधार पर वादी का वाद खारिज किया जा चुका है। इसलिए T.I प्रा० पत्र का कोई औचित्य शेष नहीं रह जाता है। इसलिए T.I प्रा० पत्र खारिज किया जाता है।

केवलराम

नि० राय

नि० रामी

नि० घेली

नन्दाराम

नि० सरजू

नि० धापली

नि० पार्वती

सन्तोष

नि० मेवी

शम्भुदयाल

मोहन

P.T.O

मूलचन्द

नि० हरनारायण

Signature Not Verified

Digitally signed by Anju Varma
Date: 2025.07.24 17:41:59 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner

ा या	आज्ञा विस्तृत रूप से	वि
	पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया।	

Signature Not Verified

Digitally signed by Anju Varma
Date: 2025.07.24 17:41:59 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner